

शरण हनुमत की जो आया उसे पल में संभाला है लिरिक्स



शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है,
सामने आई जब बाधा,
अंजनीसुत ने टाला है,
शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है।

[देखे - पवनकुमार हृदय में आओ।](#)

निर्बल के बलवान कपि है,
सब देवों में महान कपि है,
मूढमति को देते है बुद्धि,
ज्ञान वान विद्वान कपि है,
दया का रूप हनुमत का,
जगत में सबसे निराला है,
सामने आई जब बाधा,
अंजनीसुत ने टाला है,
शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है।

गीत कपि के जो है गाते,
श्रद्धा भाव है मन को भाते,
संकट में जो उन्हें पुकारे,
उसका सहारा बनके आते,
सभी का ध्यान जो रखता,
अंजनी माँ का लाला है,
सामने आई जब बाधा,
अंजनीसुत ने टाला है,
शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है।

राम की भक्ति जो भी करता,
उसके हनुमत करता धर्ता,
कृपा से सब संताप है मिटते,
घर आँगन खुशियों से भरता,
गरीबों का सहारा एक,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप इसे मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



Bhajan Diary Lyrics,

सामने आई जब बाधा,
अंजनीसुत ने टाला है,
शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है। **bd।**

शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है,
सामने आई जब बाधा,
अंजनीसुत ने टाला है,
शरण हनुमत की जो आया,
उसे पल में संभाला है। **bd।**

Singer – Prem Prakash Karn
